This question paper contains 2 printed pages

Roll No.	**:**	**…….**
Unique Paper Code	**:**	**121302401**
Name of the Paper	**:**	**यजुर्वेद, अथर्ववेद एवं प्रातिशाख्य** **Yajurveda, Atharvaveda & Pratiṣākhya**
Name of the Course	**:**	**MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2025**
Type	**:**	**EC – A (Veda)**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणीः अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।
Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए। **9 x 2 = 18**
Explain the following Mantras.

क. कस्त्वा युनक्ति स त्वा युनक्ति कस्मै त्वा युनक्ति तस्मै त्वा युनक्ति।
कर्मणे वां वेषाय वाम्॥

अथवा /OR

अग्नेस्तनूरसि वाचो विसर्जनं देववीतये त्वा गृह्णामि। बृहद्भावासि वानस्पत्यः स इदं देवेभ्यो हविः शमीष्व सुशमिं शमीष्व। हविष्कृदेहि हविष्कृदेहि॥

ख. भूतायं त्वा नारातये स्वरभिविख्येषं दृँहन्तां दुर्याः पृथिव्याम् । उर्वन्तरिक्षमन्वेमि पृथिव्यास्त्वा नाभौ सादयाम्यदित्या उपस्थेऽग्नेः हव्यँ रक्ष।।

अथवा /OR

समिदसि सूर्यस्त्वा पुरस्तात्पातु कस्यांश्चिदभिशस्त्यै। सवितुर्बाहू स्थ ऊर्णम्रदसं त्वा स्तृणामि स्वासस्थं देवेभ्य आ त्वा वसवो रुद्रा आदित्याः सदन्तु।

2. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए जिनमें से **एक संस्कृत** में हो। । **9+7=16**

Explain the following mantras of which **one** must be in **Sanskrit**.

क. यामश्विनावमिमातां विष्णुर्यस्यां विचक्रमे।
इन्द्रो यां चक्र आत्मनेऽनमित्रां शचीपतिः।
सा नो भूमिर्वि सृजतां माता पुत्रायं मे पयः ॥

अथवा /OR

सप्त चक्रान्वꣳहति काल एष सप्तास्यꣳ नाभीꣳरमृतं न्वक्षःꣳ।
स इमा विश्वा भुवꣳनान्यञ्जत्कालः स ईयते प्रथमो नु देवः।।

ख. विद्मा शरस्यꣳ पितरंꣳ पर्जन्यं भूरिधायसम्।
विद्मो ष्वस्य मातरं पृथिवीं भूरिवर्पसम्॥

अथवा /OR

अभीवर्तेनꣳ मणिना येनेन्द्रोꣳ अभिवावृधे।
तेनास्मान् ब्रꣳह्मणस्पतेऽभि राष्ट्रायꣳ वर्धय।।

3. अथर्ववेद के सीता सूक्त की विषयवस्तु का विवेचन कीजिए। **07**
Discuss the subject matter of Sita Sukta of Athrvaveda.

अथवा /OR

अथर्ववेद के केन सूक्त का सामयिक महत्व प्रतिपादित कीजिए।
Explain the social importance of Kena Sukta of Athrvaveda.

4. दार्शपौर्णमास की याज्ञिक प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। **07**
Describe the Yajna process of the Darspurnamasa Yaga.

अथवा /OR

यजुर्वेद प्रथम अध्याय की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।
Elucidate the subject matter of the first chapter of Yajurveda.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **छह** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। **6 x 2 = 12**
Explain and illustrate any **six** of the following sutras.

i. स सङ्घातादीन् वाक्।
ii. लृलसिता दन्ते।
iii. एकारेकारोकारा द्विवचनान्ताः।
iv. अथाख्याः समाम्नायाधिकाः प्राग्रिफितात्।
v. युवर्णौ यवौ क्षैप्रः।
vi. नो नौ मे मदर्थे त्रिद्वेकेषु।
vii. पदपूर्वमामन्त्रितमनार्थेऽपादादौ।
viii. प्रत्ययसवर्णं मुदि शाकटायनः।
ix. लुङ्मुदि जित्परे।
x. तपसस्पृथिव्याम्।
xi. चछ्वयोः शम् ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** की सोदाहरण परिभाषा कीजिए । **5 x 2 = 10**

Define any five of the following.

धि,भावी, मुत्, नति, आम्रेडित, प्रश्लिष्ट, तैरोविराम, परमाणु, ह्रस्व